Month wise division of syllabus (पाठ्यक्रम का विभाजन)

सत्र - 2023-24

स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग

कक्षा - एम. ए. (हिन्दी) सेमेस्टर - II

कुल अंक - 100

क्रेडिट - (4-0-0)

प्रश्नपत्र - 6

(आधुनिक हिन्दी काव्य : छायावादोत्तर काल)

आवश्यक निर्देश - पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट समान अंकों के 8 प्रश्न होंगे, जो चार खंडों (ए-डी) में विभाजित होंगें । प्रश्नों को उपभागों में (चार से अधिक नहीं) विभाजित किया जा सकता है । विद्यार्थी को प्रत्येक खंड में से एक प्रश्न हल करना आवश्यक होगा । कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे । पांचवा प्रश्न किसी भी खंड में से हल किया जा सकता है ।

MONTH WISE DIVISION	SYLLABUS UNITISATION
जनवरी-फरवरी	➢ अज्ञेय का सामान्य परिचय ➢ छायावादोत्तर काव्यान्दोलन और अज्ञेय ➢ अज्ञेय की जीवन दृष्टि ➢ प्रयोगवादी कवि अज्ञेय ➢ अज्ञेय के काव्य की साहित्यिक विशेषताएँ ➢ अज्ञेय की कविता का शिल्प सौंदर्य ➢ असाध्य वीणा : प्रतिपाद्य और शिल्प
मार्च	➢ मुक्तिबोध : कवि और उनकी काव्य रचनाएँ

	➢ **प्रतिबद्ध कवि मुक्तिबोध** ➢ **फेंटेसी का कवि मुक्तिबोध** ➢ **'अंधेरे में' कविता का कथ्य और शिल्प** ➢ **मुक्तिबोध की कविता का भावजगत और उनका काव्य शिल्प** ➢ **श्री नरेश मेहता का सामान्य परिचय**
अप्रैल	➢ **जनवादी चेतना के कवि : धूमिल** ➢ **साठोत्तरी हिन्दी कविता और धूमिल** ➢ **धूमिल की कविता का मानव-मूल्य** ➢ **धूमिल की कविता : आज के व्यक्ति का बिम्ब** ➢ **धूमिल की कविता : भाषा-शिल्प** ➢ **भारतभूषण अग्रवाल का सामान्य परिचय**

❖ सहायक पुस्तकें

1. पुस्तक का नाम - सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय

   संपादक - विद्यानिवास मिश्र

   प्रकाशक - राजपाल एण्ड संस, दिल्ली ।

2. पुस्तक का नाम - चांद का मुह टेढ़ा है
   लेखक - गजानन माधव मुक्तिबोध
   प्रकाशक - भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली ।
3. पुस्तक का नाम - संसद से सड़क तक
   लेखक - धूमिल

प्रश्नपत्र - 7

(हिन्दी साहित्य का इतिहास - खंड-दो)

कुल अंक - 100

क्रेडिट - (4-0-0)

आवश्यक निर्देश - पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट समान अंकों के 8 प्रश्न होंगे, जो चार खंडों (ए-डी) में विभाजित होंगें । प्रश्नों को उपभागों में (चार से अधिक नहीं) विभाजित किया जा सकता है । विद्यार्थी को प्रत्येक खंड में से एक प्रश्न हल करना आवश्यक होगा । कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे । पांचवा प्रश्न किसी भी खंड में से हल किया जा सकता है ।

MONTH WISE DIVISION	SYLLABUS UNITISATION
जनवरी-फरवरी	➢ आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, राजयकरानती और पुनर्जागरण ➢ भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ➢ द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ➢ छायावाद : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ
मार्च	➢ उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियाँ ➢ प्रयोगवाद : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ➢ प्रगतिवाद : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ➢ नयी कविता : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ➢ नवगीत : व ➢ समकालीन कविता : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ
अप्रैल	➢ कहानी का विकास ➢ उपन्यास का विकास ➢ नाटक का विकास

	➢ **निबंधका विकास** ➢ **संस्मरण का विकास** ➢ **रेखाचित्र का विकास** ➢ **जीवनी का विकास** ➢ **आत्मकथा का विकास** ➢ **रिपोर्ताज का विकास** ➢ **हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास**

❖ सहायक पुस्तकें

1. पुस्तक का नाम - हिन्दी साहित्य का इतिहास : युग और प्रवृत्तियाँ
   लेखक/संपादक - डॉ. शिवकुमार शर्मा
   प्रकाशन - अशोक प्रकाशन, दिल्ली
2. पुस्तक का नाम - हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास
   लेखक/संपादक - डॉ. नगेन्द्र
   प्रकाशक - नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

प्रश्नपत्र - 8

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

कुल अंक - 100

क्रेडिट - (4-0-0)

आवश्यक निर्देश - पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट समान अंकों के 8 प्रश्न होंगे, जो चार खंडों (ए-डी) में विभाजित होंगें । प्रश्नों को उपभागों में (चार से अधिक नहीं) विभाजित किया जा सकता है । विद्‌यार्थी को प्रत्येक खंड में से एक प्रश्न हल करना आवश्यक होगा । कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे । पांचवा प्रश्न किसी भी खंड में से हल किया जा सकता है ।

MONTH WISE DIVISION	SYLLABUS UNITISATION

जनवरी-फरवरी	➢ **पाश्चात्य आलोचना का इतिहास : संक्षिप्त परिचय** ➢ **प्लेटो : काव्य सिद्धांत** ➢ **प्लेटो : प्रत्ययवाद** ➢ **अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत** ➢ **अरस्तू : त्रासदी विवेचन** ➢ **अरस्तू : विरेचन सिद्धांत**
मार्च	➢ **लोजाइनस : उदात्त की अवधारणा और स्वरूप** ➢ **मेथ्यू और्नोल्ड : आलोचना का स्वरूपगत प्रकार्य** ➢ **आई ए रिचर्ड्स : संवेगों का संतुलन** ➢ **आई ए रिचर्ड्स : व्यावहारिक आलोचना** ➢ **आई ए रिचर्ड्स : काव्यभाषा**
अप्रैल	➢ **इलियट : निर्वेयक्तिकता का सिद्धांत** ➢ **स्वछंदतावाद** ➢ **अभिव्यंजनावाद** ➢ **मार्क्सवाद** ➢ **अस्तित्ववाद** ➢ **संरचनावाद** ➢ **आधुनिकतावाद** ➢ **व्यावहारिक समीक्षा**

❖ सहायक पुस्तकें

1. पुस्तक का नाम - आलोचक और आलोचना
   लेखक/संपादक - बच्चन सिंह
   प्रकाशन - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2. पुस्तक का नाम - पाश्चात्य काव्यशास्त्र
   लेखक - देवेन्द्रनाथ शर्मा
   प्रकाशन - नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

प्रश्नपत्र - 9

(मीडिया लेखन)

कुल अंक - 100

क्रेडिट - (4-0-0)

आवश्यक निर्देश - पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट समान अंकों के 8 प्रश्न होंगे, जो चार खंडों (ए-डी) में विभाजित होंगें । प्रश्नों को उपभागों में (चार से अधिक नहीं) विभाजित किया जा सकता है । विद्यार्थी को प्रत्येक खंड में से एक प्रश्न हल करना आवश्यक होगा । कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे । पांचवा प्रश्न किसी भी खंड में से हल किया जा सकता है ।

MONTH WISE DIVISION	SYLLABUS UNITISATION
जनवरी-फरवरी	➢ दूरसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ ➢ विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप : मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट ➢ श्रव्य माध्यम : रेडियो ➢ श्रव्य दृश्य माध्यम : फिल्म, टेलिविजन, विडियो ➢ उद्घोषणा लेखन ➢ विज्ञापन लेखन ➢ फीचर ➢ रिपोर्ताज लेखन ➢ दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति
मार्च	➢ दृश्य एवं श्रव्य सामाग्री का सामञ्जस्य ➢ पाश्र्व वाचन ➢ पटकथा लेखन ➢ टेलीड्रामा

	➢ संवाद लेखन ➢ साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण ➢ विज्ञापन की भाषा
अप्रैल	➢ मौखिक भाषा की प्रकृति ➢ समाचार वाचन एवं लेखन ➢ रेडियो नाटक ➢ विज्ञापन लेखन ➢ फीचर ➢ रिपोर्ताज

❖ सहायक पुस्तकें

1. पुस्तक का नाम - प्रयोजनमूलक हिन्दी
   लेखक/संपादक - डॉ. हरमोहन लाल 'सूद', डॉ. देवेन्द्र कुमार
   प्रकाशक - वागीश प्रकाशन, जालंधर

प्रश्नपत्र - 10

(नाटककार मोहन राकेश) विकल्प-1

कुल अंक - 100

क्रेडिट - (4-0-0)

आवश्यक निर्देश - पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट समान अंकों के 8 प्रश्न होंगे, जो चार खंडों (ए-डी) में विभाजित होंगें । प्रश्नों को उपभागों में (चार से अधिक नहीं) विभाजित किया जा सकता है । विद्यार्थी को प्रत्येक खंड में से एक प्रश्न हल करना आवश्यक होगा । कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे । पांचवा प्रश्न किसी भी खंड में से हल किया जा सकता है ।

MONTH WISE DIVISION	SYLLABUS UNITISATION

जनवरी-फरवरी	➢ आषाढ़ का एक दिन : व्याख्या ➢ नाटक : विधागत वैशिष्ट्य, तत्व एवं प्रकार ➢ मोहन राकेश : व्यक्ति और नाटककार ➢ आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश ➢ आषाढ़ का एक दिन का नाट्यात्मक वैशिष्टय ➢ आषाढ़ का एक दिन का प्रतिपाद्य और मुख्य समस्याएँ ➢ कालिदास का अंतर्द्वंद्व ➢ आषाढ़ का एक दिन : पात्र-योजना ➢ आषाढ़ का एक दिन : भाषा-शैली ➢ आषाढ़ का एक दिन : नाम की सार्थकता ➢ आषाढ़ का एक दिन : रंगमंचीय सार्थकता
मार्च	➢ लहरों के राजहंस : व्याख्या ➢ मोहन राकेश की नाट्य सृष्टि और नाट्यप्रयोग ➢ मोहन राकेश : रंगमंच के प्रबल समर्थ नाटककार ➢ लहरों के राजहंस : मोहन राकेश ➢ लहरों के राजहंस : प्रतिपाद्य एवं मुख्य समस्याएँ ➢ लहरों के राजहंस : विचारधारा और कथ्य चेतना ➢ लहरों के राजहंस : नाम की सार्थकता ➢ लहरों के राजहंस : रंगमंचयीता
अप्रैल	➢ आधे-अधूरे : व्याख्या ➢ मोहन राकेश के नाटकों की मूल्य चेतना

	➢ मोहन राकेश की नाट्यभाषा को योगदान ➢ आधे-अधूरे : मोहन राकेश ➢ आधे-अधूरे : नाट्यात्मक वैशिष्ट्य ➢ आधे-अधूरे : समकालीन मध्यवर्गीय जीवन का दस्तावेज़ ➢ आधे-अधूरे : विचारधारा ➢ आधे-अधूरे : भाषा तथा कथ्य चेतना ➢ आधे-अधूरे : नाम की सार्थकता ➢ आधे-अधूरे : रंगमंचयीता एक नवीन नाट्य प्रयोग

❖ सहायक पुस्तकें

1. पुस्तक का नाम - आषाढ़ का एक दिन
   लेखक - मोहन राकेश
   प्रकाशक - राजपाल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. पुस्तक का नाम - लहरों के राजहंस
   लेखक - मोहन राकेश
   प्रकाशक - राजपाल प्रकाशन, दिल्ली ।
3. पुस्तक का नाम - आधे अधूरे
   लेखक - मोहन राकेश
   प्रकाशक - राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।